जिला सर्वेक्षण रिपोर्ट

1. प्राक्कथनः–

आज के युग में छोटी और बड़ी इमारतों/भवनों का निर्माण बहुत अधिक संख्या में हो रहा है। उपखनिज में सामान्यतया वो खनिज आते हैं जो इमारत, सड़क व अन्य निर्माण कार्यों में प्रयुक्त होते है। इनका खनन अधिकांशतः छोटे पैमाने में किया जाता है तथा दूरी की दृष्टि से व आर्थिक कारणों से इनका उपयोग भी सीमित होता है (अपवाद स्वरूप ग्रेनाइट ब्लाक तथा संगमरमर को छोड़कर)। भवनों में फर्श के रूप में ग्रेनाइट तथा संगमरमर का बहुतायात से प्रयोग व उपयोग हो रहा है। खनन कार्य से निकाले गये पत्थर का उपयोग भवन निर्माण, पुलिया निर्माण में किया जाता है। आवश्यकतानुसार विभिन्न आकार के वोल्डर का उत्पादन कर पार्टियों को भेज दिया जाता है। उपखनिज सम्पदा दोहन के क्षेत्र में अधिकतर ग्रामीण क्षेत्र के लोग संलग्न होते है और खनन कार्य का क्षेत्र व कार्यकलाप बहुत सीमित होता है। परन्तु राष्ट्र के आर्थिक एवं सामाजिक विकास में उपखनिज सम्पदा का वैज्ञानिक दोहन अति महत्वपूर्ण है। साथ ही राज्य में आय अर्जित करने का महत्वपूर्ण स्त्रोत खनन है।

2.जिले में खनन कार्यकलापों पर विहंगम दृष्टिः–

जनपद पिथौरागढ़ में पायी जाने वाली अधिकतर पर्वत श्रेणियाँ सोपस्टोन, मैग्नेसाइट,क्वार्टजाइट, फिलाइट, स्लेट, शेल, शिष्ट, निस आदि चटटानों द्वारा निर्मित है। यहाँ क्षेत्रफल के आधार पर उपखनिज बहुत अधिक मात्रा में पाया जाता है। छोटे पैमाने में होते हुए भी उपखनिज का महत्व कम नही हैं। खासकर पिथौरागढ़ में खनन का लगभग 50–60 प्रतिशत भाग उपखनिज का हैं। सम्पूर्ण राष्ट्र में उपखनिज द्वारा आय का 20 प्रतिशत भाग केवल उत्तराखण्ड में सन्निहित है। अतः उपखनिज का महत्व अन्य मुख्य खनिज की अपेक्षा उत्तराखण्ड राज्य में कही अधिक है। वर्तमान में नव उदित उत्तराखण्ड में भवनों व सड़कों का निर्माण बहुत अधिक संख्या में हो रहा है। जिसमें अत्यधिक मात्रा में बालू,बजरी,बोल्डर का उपयोग अत्यधिक हो रहा है साथ ही जनपद में सोपस्टोन का काम भी अत्यधिक मात्रा में चल रहा है।

सामान्यतः यह देखा गया है कि उपखनिज की माँग स्थानीय स्तर पर ही होती है। अतः उपखनिज खनन में अधिकतम ग्रामीण अंचल के लोग लिप्त अथवा जुड़े रहते है। भारत के सामाजिक व आर्थिक विकास की दृष्टि से भी उपखनिज सम्पदा का वैज्ञानिक एवं सुनियोजित दोहन अत्यधिक महत्वपूर्ण हो जाता हैं। इससे न केवल स्वरोजगार उत्पन्न होता है वरन इसके द्वारा परोक्ष रूप से उत्पन्न रोजगार भी महत्वपूर्ण है। परन्तु इसके लिए यह अति महत्वपूर्ण है कि खनन कार्य सुनियोजित व वैज्ञानिक तरीके से हो अन्यथा अनियोजित तरीके के खनन कार्य से पर्यावरण को घातक क्षति हो सकती है जिसके कारण अन्य विनाशकारी परिणाम भी हो सकते हैं। अतः विनाशकारी परिणामों से दूर रखने की दृष्टि से उत्तराखण्ड शासन ने एक शासनादेश द्वारा इस महत्वपूर्ण क्षेत्र के सर्वांगीण विकास के लिए उपखनिज खनन का कार्य वैज्ञानिक एवं सुनियोजित रूप से करते रहने के लिए खनन योजना का प्राविधान किया गया है। इस प्रावधान में खननगत क्षेत्र का पर्यावरण की दृष्टि से [illegible] कार्य की योजना बनायी जाती है। आपदा के दृष्टि से उत्तराखण्ड का अधिकांश भाग पर्वतीय क्षेत्र होने के कारण संवेदनशील रहता है। वर्षा के उपरान्त पहाड़ों के Erosion/landslide/weathering के माध्यम से नदियों में Silt, Boulders, Rbm आदि उपखनिज का जमाव हो जाता है जिसे खनन/चुगान

3.अवस्थिति, क्षेत्र और विधिमान्यता का कालावधि के साथ जिले में खनन पटटों की सूचीः संलग्न है।

4. पिछले तीन वर्षो के दौरान प्राप्त स्वामित्व या राजस्व के ब्यौरेः– जिलाधिकारी के जिला कचेरी कार्यालय के अभिलेखानुसार।

माह अप्रैल 2013 से माह मार्च 2014 की कुल आय = रू0 7,10,00,905.00 (रूपया सात करोड़ दस लाख नौ सौ पांच)
माह अप्रैल 2014 से माह मार्च 2015 की कुल आय = रू0 10,72,12,458.00 (रूपया दस करोड़ बहत्तर लाख बारह हजार चार सौ अठावन)
माह अप्रैल 2015 से माह मार्च 2016 की कुल आय = रू0 13,89,76,216.00 (रूपया तेरह करोड़ नवासी लाख छिहत्तर हजार दो सौ सौलह)

5. पिछले तीन वर्षो के दौरान बालू या बजरी के उत्पादन के ब्यौरेः– जिलाधिकारी के जिला कचेरी कार्यालय के अभिलेखानुसार।
माह अप्रैल 2013 से माह मार्च 2014 तक बालू या बजरी का उत्पादन = 29812.00 घ0मी0
माह अप्रैल 2014 से माह मार्च 2015 तक बालू या बजरी के उत्पादन = 255992.00 घ0मी0
माह अप्रैल 2015 से माह मार्च 2016 तक बालू या बजरी क उत्पादन = 67006.500 घ0मी0

6. जिले की नदियों में तलछटों के जमाव की प्रक्रियाः–

जनपद पिथौरागढ़ में सरयू नदी, रामगंगा नदी, काली नदी एवं अन्य नदियों में वर्षाकाल के दौरान पानी बड़े वेग के साथ दोनों किनारों पर चटटानों से टकराता है जिसके कारण पानी के टकर लगने के फलस्वरूप चटटानें सूक्ष्म कणों में टूट जाती है जो कि पानी के साथ बहते हुए नदियों में बालू,बजरी,बोल्डर के रूप में एकत्रित हो जाती है।

7. जिले का सामान्य प्रोफाइलः–

जनपद पिथौरागढ़ समुद्र तल से 1615 मीटर की ऊँचाई पर 6.47 वर्ग किलोमीटर की परिधि में बसा हुआ है। पिथौरागढ़ में कुल 06 ~~तहसील~~ 08 विकासखण्ड 87 न्याय पंचायतें 808 ग्रामसभाऐं और कुल छोटे–बड़े लगभग 2324 गॉव है। अधिकतम तापमान मई–जून में 28^0 C से 32^0 C हो जाता है तथा न्यूनतम तापमान दिसम्बर–जनवरी में 2^0 C से 2^0 तक रहता है।

8. जिले में भूमि के उपयोग का पैटर्नः वन, कृषि, उद्यान कृषि, खनन आदिः– पिथौरागढ़ जिले में अधिकांश लोग वन, उद्यान, खेती एवं पशुपालन के साथ अन्य विभिन्न व्यवसाय जैसे–व्यापार, लघु उद्योग धन्धे, अध्ययन, नौकरी में है, एवं काफी लोग सेना में भी कार्यरत है जिससे ग्रामों में पलायन की स्थिति भी बढ रही है। खनन आदि कार्यों के बढ़ने से ग्रामीण स्तर में भी रोजगार की सम्भावनाऐं बढ़ेगी जिससे राज्य की आर्थिक स्थिति में भी सुधार होने की सम्भावनाऐं बढ़ेगी।

किसी भी क्षेत्र की भ्वाकृति उस क्षेत्र में पाए जाने वाले शैलों, उसकी संरचना विकार, भौगोलिक स्थिति व उस क्षेत्र के सामान्य जलवायु पर निर्भर करती है। अपनी प्राकृतिक, भौगोलिक एवं जटिल भूगर्भीय विशेषताओं के कारण हिमालय को दक्षिण से उत्तर की ओर निम्न चार प्रमुख विवर्तनिक एवं विभागों में बाँटा गया है।

(क) पाद हिमालय पर्वत श्रेणियाँ

(ख) निम्न हिमालय पर्वत श्रेणियाँ

(ग) उच्च हिमालय पर्वत श्रेणियाँ

(घ) टथिस हिमालय या तिब्बत हिमालय पर्वत श्रेणियाँ

कुमाऊँ हिमालय में वलनों का अनुपस्थान काफी मात्रा में अपवर्ती है कास वलनों की दिशा उत्तर–दक्षिण से उ0उ0प0–द0द0प0 है और यह उपनति पूर्ववर्ती वलनों की दिशा में करीब 90° पर है। यह वलन मुख्य तौर पर विवृत वलन है।

क्षेत्रीय भूतत्व:

यह क्षेत्र कुमाऊँ ग्रुप के अन्तर्गत आता है। इसका क्षेत्रीय भूतल निम्न प्रकार है:

बेरीनाग क्वार्टजाईट

.... असम्बद्धता ....

गंगोलीहाट डोलोमाइट — डोलोमाइट एवं डोलोमिटिक लाइमस्टोन, मैग्नेसाइट एवं टैल्कोस फिलाइट के साथ डोलोमाइट

सौर स्लेट्स — शेल, स्लेट्स और फिलाइट

रौथगड़ा फॉरमेशन — गुलाबी, भूरा, हल्के रंग का क्वार्टजाईट एवं क्वार्टजसिस्ट / क्वार्टज माइका सिस्ट

.... उत्तरी अल्मोड़ा थ्रस्ट ....

अल्मोड़ा क्रिप्टलाइन वस,

10. वर्षा मासवार:– सम्बन्धित नहीं है।

11. जियोलोजी :– सम्बन्धित नहीं है।

अन्य विस्तृत सर्वेक्षण के लिए सिंचाई विभाग, वन विभाग, जियोलोजी विभाग, भू–जल बोर्ड लोक निर्माण विभाग या अन्य विभाग से सहायता हेतु आख्या ली जा सकती है।

भवदीय

[illegible]

पिथौरागढ़ / चम्पावत

किसी भी क्षेत्र की स्थलाकृति उस क्षेत्र में पाये जाने वाले शैलों, उसकी संरचना विकार, भौगोलिक स्थिति व उस क्षेत्र के सामान्य जलवायु पर निर्भर करती है। अपनी प्राकृतिक, भौगोलिक एवं जटिल भूगर्भीय विशेषताओं के कारण हिमालय को दक्षिण से उत्तर की ओर निम्न चार प्रमुख विवर्तनिक एवं विभागों में बाँटा गया है।

(क) पाद हिमालय पर्वत श्रेणियॉ

(ख) निम्न हिमालय पर्वत श्रेणियॉ

(ग) उच्च हिमालय पर्वत श्रेणियॉ

(घ) टेथिस हिमालय या तिब्वत हिमालय पर्वत श्रेणियॉ

कुमाऊँ हिमालय में वलनों का अनुपस्थान काफी मात्रा में अपरवर्ती है क्रास वलनों की दिशा उत्तर–दक्षिण से उ0उ0प0–द0द0प0 है और यह उपनति पूर्ववर्ती वलनों की दिशा में करीब 90^0 पर है। यह वलन मुख्य तौर पर विवृत वलन है।

क्षेत्रीय भूतत्वः

यह क्षेत्र कुमाऊँ ग्रुप के अन्तर्गत आता है। इसका क्षेत्रीय भूतत्व निम्न प्रकार है:

बेरीनाग क्वार्टजाईट

.... अनकनफरमिटी ....

गंगोलीहाट डोलोमाइट — डोलोमाइट एवं डोलामिटिक लाइमस्टोन, मैग्नेसाइट एवं
टैल्कोस फिलाइट के साथ डोलोमाइट

सौर स्लेट्स — शैल, स्लेट्स और फिलाइट

रोथगडा फॉरमेशन — गुलाबी, भूरा, हल्के रंग का क्वार्टजाईट एवं क्वार्टजसिस्ट
/क्वार्टज माइका सिस्ट

.... उत्तरी अल्मोड़ा थ्रस्ट ....

अल्मोड़ा क्रिष्टलाइन वेस,

10. वर्षा मासवारः– सम्बन्धित नही है।

11. जियोलोजी :– सम्बन्धित नही है।

अन्य विस्तृत सर्वेक्षण के लिए सिंचाई विभाग, वन विभाग, जियोलोजी विभाग, भू–जल बोर्ड लोक निर्माण विभाग या अन्य विभाग से सहायता हेतु आख्या ली जा सकती है।

भवदीय

[illegible] अधिकारी

पिथौरागढ़ / चम्पावत

2. उपखनिज पिथौरागढ़

क्र0 सं0	नाम / पता जिसके नाम से उद्योग स्थापित है।	उस स्थान का नाम जहां उद्योग संचालित है।	पत्रांक / दिनांक जिससे स्वीकृति प्रदान की गई है। प्रथम बार / नवीनी–करण इत्यादि की स्थिती स्पष्ट की जाय।	प्लाट की वैधता अवधि।
1	2	3	4	5
1.	मै0 कमल जियोटैक सर्विसेज	ग्राम वालाकोट, तहसील एवं जिला पिथौरागढ़	शासं0–2606 / औ0वि0 / 195 – ख / 2001 दिनांक 07.01.2002	24.06.2018
2.	श्री पवन सिंह महरा पुत्र श्री हुकुम सिंह महरा सिनेमालाइन पिथौरागढ	ग्राम जमराडी तहसील व जनपद पिथौरागढ	शा सं0–3171 / VII-I / 205–ख / 2010 दिनांक 23.12.2011 एवं जिलाधिकारी के आदेश सं 505 / तीस – 13 (2010–11)दिनांक 07.04.12	06.07.2017
3	श्रीमती कुमुद महर पत्नी श्री मयूख महर ग्राम चैंसर जिला पिथौरागढ़	ग्राम सिरड तहसील व जनपद पिथौरागढ़	शा सं0–2969 / VII-I / 12–ख / 2013 दिनांक [illegible].12. 2013 एवं जिलाधिकारी के आदेश सं 402 / तीस – 01 (2011–12) दिनांक 28.01.14	21.03.2019
4.	श्री हरेन्द्र सिंह महर पुत्र श्री विक्रम सिंह महर ग्राम चैंसर जिला पिथौरागढ़	ग्राम चैंसर तहसील व जनपद पिथौरागढ़	शा सं0–2968 / VII-I / 64–ख / 2013 दिनांक 30.12.2013 एवं जिलाधिकारी के आदेश सं 468 / तीस – 05 (2012 – 13) दिनांक 10.02.14	21.03.2019
5.	मै0 सिद्ध माइन्स निवासी एंचोली जिला पिथौरागढ	ग्राम एंचोली तहसील व जिला पिथौरागढ	शा सं0–118 / VII-I / 2014–ख / 2004 दिनांक 23.01.2014 एवं जिलाधिकारी के आदेश सं 583 / तीस – 02 / 2010 – 11) दिनांक 03.03.14	30.07.2019
6.	श्री कैलाश सिंह दवली निवासी ग्राम व पो0 वल्थी तहसील मुनस्यारी जिला पिथौरागढ	ग्राम व पो0 वल्थी तहसील मुनस्यारी जिला पिथौरागढ	शा सं0 – 2799 / VII-I / 2013 / 32–ख / 2012 दिनांक 23. 09.2013 एवं जिलाधिकारी के आदेश सं 584 / तीस–25(2011–12) दिनांक 06.03.14	31.10.2019
7.	श्रीमती भागीरथी देवी पत्नी श्री राजेन्द्र सिंह खनका निवासी ग्राम पुरगडा पो0 ऑ0 नमाली तहसील व जिला पिथौरागढ	ग्राम खर्कदौली, तहसील व जिला पिथौरागढ।	शा सं0 – 1221 / VII-I / 145–ख / 2014 दिनांक 26.08. 2014 एवं जिलाधिकारी के आदेश सं 01 / तीस–19 2012– 13) दिनांक 07.11.14	08–03–2020
8.	श्री मान बहादुर पाल पुत्र श्री हनुमान सिंह पाल निवासी ग्राम दवलचौड खाम पो0 मानपुर हल्द्वानी जिला नैनीताल	ग्राम तितरी तहसील डीडीहाट जनपद पिथौरागढ़	शा सं0 – 1318 / VII-I / 76–ख / 2013 दिनांक 22.09 2014 एवं जिलाधिकारी के आदेश सं 02 / तीस– 0[illegible] (2012–13) दिनांक 07.11.14	09–03–2020
9	श्री राजेन्द्र प्रसाद पुत्र स्व0 श्री दीवानी राम निवासी ग्राम भुवनकोट, पोस्ट गड्डा तहसील एवं जिला पिथौरागढ़	ग्राम जाखपन्त,पट्टी दौली तहसील एवं जिला पिथौरागढ़	शा सं0 – 1365 / VII-I / 88–ख / 2015 दिनांक 08.10. 2015 एवं जिलाधिकारी के आदेश सं 258 / तीस	15.02.2021

10.	मै0 बी0 एच0 ए0 एसोसिएट, ग्राम गागना पो0 गुरना तहसील एवं जिला पिथौरागढ़	ग्राम गागना तहसील एवं जिला पिथौरागढ़	शा सं0 – 1452/VII-I / 71–ख /2015 दिनांक 01.10. 2015 एवं जिलाधिकारी के आदेश सं 257/तीस – 21/उप0ख0प0/(2013–14) दिनांक 20.11.15	07.0820.21
11	श्री रमेश चन्द्र पुनेडा पुत्र श्री बची राम पुनेडा निवासी नया बाजार पिथौरागढ़	ग्राम तितरी, तहसील डीडीहाट जिला पिथौरागढ़	शा सं0 – 1672/VII-I /13–ख /2009 दिनांक 30.10. 2015 एवं जिलाधिकारी के आदेश सं 451/तीस – 20/(2013–14) दिनांक 11.01.16	08.09.2019
12	श्री राजेन्द्र सिंह रावत पुत्र श्री जगत सिंह रावत निवासी धारचूला रोड पिथौरागढ़	ग्राम मड़ (पदलदे) तहसील एवं जिला पिथौरागढ़	शासनादेश संख्या 821/VII-I /54–ख, 2015 दिनांक 17 जून 2015 एवं जिलाधिकारी पिथौरागढ़ के आदेश संख्या 1539/तीस–21/ उप0ख0प0/ (2013–14) दिनांक 03, अगस्त, 2015	02.02.2021
13	कु0म0वि0नि0लि0 निवासी ओक पार्क हाउस नैनीताल	ग्राम सरा तहसील गंगोलीहाट जिला पिथौरागढ़	शासनादेश संख्या 1892/VII-I /140–ख/2013 दिनांक 17.10.2013 एवं जिलाधिकारी पिथौरागढ के आदेश संख्या ज्ञाप/तीस–21/ (2010–11) दिनांक 05, जनवरी, 2016	16.10.2018
14	कु0म0वि0नि0लि0 निवासी ओक पार्क हाउस नैनीताल	ग्राम भनोलीसेरा तहसील गंगोलीहाट जिला पिथौरागढ़	शासनादेश संख्या 1893/VII-I /142–ख/2013 दिनांक 17.10.2013 एवं जिलाधिकारी पिथौरागढ के आदेश संख्या ज्ञाप/तीस–21/ (2010–11) दिनांक 05, जनवरी, 2016	16.10.2018

भवदीय

मुख्य अधिकारी

पिथौरागढ़/चम्पावत

वर्तमान में जनपद पिथौरागढ़ अन्तर्गत स्वीकृत सोपस्टोन (गौण उपखनिज) के खनन पटटाधारकों की सूची

क्र0सं0	नाम/पता जिसके नाम से उद्योग स्थापित है।	उस स्थान का नाम जहां उद्योग संचालित है।	पत्रांक/दिनांक जिससे स्वीकृति प्रदान की गई है। प्रथम बार/नवीनी–करण इत्यादि की स्थिती स्पष्ट की जाय।	प्लांट की वैधता अवधि।	क्षेत्रफल	मुख्य खनिज का नाम (खनन सामग्री का नाम)
1	2	3	4	5	6	7
1.	मै0 मां भगवती मिनरल्स, ग्राम सिलकोट, तहसील गंगोलीहाट जिला पिथौ0	ग्राम सिलकोट, तह0 गंगोलीहाट जिला पिथौ0	शा0सं0 917/सात/103–ख/2004 दि0 14.9.2004	08.03.2002 से 07.03.2022	6.47 एकड (2.61 है0)	सोपस्टोन
2.	सर्वश्री शिखर मिनरल्स,ग्रा0 भरद्वारी तहसील गंगोलीहाट	ग्राम सनरखोला, तह0 गंगोलीहाट जिला पिथौ0	शा0सं0 20/औ0वि0/222 –ख/2001 दि0 29.2.2004	20.05.2004 से 19.05.2024	4.15 है0	सोपस्टोन
3.	श्री भूपेन्द्र सिंह मेहरा, नि0 सिनेमा लाइन पिथौरागढ़।	ग्राम चौपाता,तह0 डीडी0 जिला पिथौरागढ़	शा सं0–763/VII-I-II /214–ख/2010 दिनांक 27.05.2011	31.08.2000 से 30.08.2020	1.67 है0	सोपस्टोन
4.	श्री वसन्त सिंह सामन्त,नि0 लोहाकोट, तह0 डीडीहाट।	ग्राम चौपाता,तह0 डीडी0 जिला पिथौरागढ़	शा0सं03960/77–5–2000 –449/83 दि0 26.8.2000	24.10.2000 से 23.10.2020	3.72 है0	सोपस्टोन
5.	श्री हरीश चन्द्र जोशी, नि0 ग्रा0 भड़कटिया,तह0 पिथौ0	ग्राम पुखरौडा, तहसील डीडी0, जिला पिथौरागढ़	शा0सं05030/77–5–2000 – 5 (431)/94 दिनांक 26.8.2000	04.11.2000 से 03.112020	8.30 है0	सोपस्टोन
6.	मै0 डी0डी0एसोसिएट नि0 घण्टाकरण,तह0 पिथौरागढ़	ग्राम लोहाकोट, तहसील डीडी0, जिला पिथौरागढ़	शा0सं0 2605/औ0वि0/159 – ख/2001 दि0 22.12.2004	22.10.2003 से 21.10.2023	3.8 एकड (1.53है0)	सोपस्टोन
7.	श्री ललित मोहन पेटशाली, नि0 ग्राम चितई	ग्राम राईगढ़स्यारी, तह0 बेरीनाग जिला पिथौ0	शा0सं0 3250/सात/13 – ख/2004 दिनांक 08.12.2004	29.12.2004 से 28.12.2024	1.41 है0	सोपस्टोन
8.	श्री सुशान्त पन्त, नि0 ग्राम ग्राम लोहाकोट,तह0 डीडी0,	ग्राम लोहाकोट, तहसील डीडीहाट जिला पिथौ0	शा0सं0 3165/सात/96 – ख/2004 दिनांक 20.12.2004	16.03.2005 से 15.03.2025	4.715 है0	सोपस्टोन

9.	मै0 के0 एस0 सोपस्टोन माइन्स,गोरापड़ाव हल्द्वानी जिला नैनीताल	ग्राम मल्ली सांगड़ी,तह0 डीडीहाट जिला पिथौ0	शा सं0–892 / VII-I-07 / 203–ख / 2001 दिनांक 15.05.2007	09.08.2007 से 08.08.2027	4.582 है0	सोपस्टोन / डालोमाइट
10.	श्री प्रदीप चन्द्र जोशी, नि0 चिमिस्यानौला,जी0आई0सी0 रोड, पिथौरागढ़	ग्राम जोशीगांव(गौलचौरा) तहसील गंगोलीहाट जिला पिथौरागढ़	शा सं0–3810 / VII-I-07 / 192–ख / 2001 दिनांक 24.09.2007	11.10.2007 से 10.10.2027	4.303 है0	सोपस्टोन
11.	मै0 भरत माइन्स,निवासी 29 आवास विकास कालौनी हल्द्वानी जिला नैनीताल	ग्राम सनरखोला, गौण, तहसील गंगोलीहाट जिला पिथौरागढ़	शा सं0–3809 / VII-I-07 / 212–ख / 2004 दिनांक 07.09.2007	01.10.2007 से 30.09.2027	4.128 है0	सोपस्टोन
12.	श्री हरेन्द सिंह महरा निवासी ग्राम व पो0 जाड़ापानी जिला पिथौरागढ़	ग्राम बोराआगर, तहसील गंगोलीहाट जिला पिथौ0	शा0 सं0 3?? / सात / 15 – ख / 2004 दिनांक 24.09. 2004	31.03.2009 से 30.03.2029	1.445 है0	सोपस्टोन
13.	श्री त्रिलोक सिंह मनराल,नि0 ग्राम जवाहर ज्योती, (दमुवा ढुंगा) जिला नैनीताल	ग्राम भन्याड़ी, तहसील गंगोलीहाट जिला पिथौ0	शा सं0–1293 / VII-I-09 / 199–ख / 2004 दिनांक 11.09.2009	22.09.2009 से 21.09.2029	4.049 है0	सोपस्टोन
14.	श्री मोहन चन्द्र शर्मा, निवासी ग्राम बास्ते, तहसील एवं जिला पिथौरागढ़	ग्राम हराली तह0 डीडीहाट जिला पिथौरागढ़	शा सं0–775 / VII-I-10 / 168–ख / 2001 दिनांक 31.03.2010	13.04.2010 से 12.04.2030	4.89 है0	सोपस्टोन
15.	मां भगवती मिनरल्स प्रा0 श्री मनोज साहनी निवासी घण्टाकरण, पिथौरागढ़	ग्राम बमडौली, तहसील डीडीहाट जिला पिथौरागढ़	शा सं0–2646 / VII-I-10 / 94–ख(टी0सी0) / 2004 दि0 16.12.2010	15.01.2011 से 14.01.2031	4.203 है0	सोपस्टोन
16.	श्री भूपेन्द्र सिंह माहरा नि0 सिनेमा लाइन पिथौरागढ़	ग्राम म्यौली, तहसील डीडीहाट जिला पिथौरागढ़	शा सं0–763 / VII-I-II / 214–ख / 2004 दिनांक 27.05.2011	14.06.2011 से 13.06.2031	4.326 है0	सोपस्टोन / मेग्नसाइट
17.	श्री इन्द्र सिंह कार्की एण्ड पार्टनर निवासी पीपलतड़ तह0 डीडीहाट जिला पिथौ0	ग्राम ठांगा,तहसील बेरीनाग जिला पिथौरागढ़	शा सं0 – 1210 / VII-I-II / 131–ख / 2009 दिनांक 30. 06.2011	01.09.2011 से 31.08.2031	4.492 है0	सोपस्टोन
18.	श्री मानिक चन्द्र पाण्ड नि0 ग्राम खड़कोट, तहसील व जिला पिथौरागढ़	ग्राम चौपाता, तहसील डीडीहाट जिला पिथौरागढ़	शासं0–2594 / औ0वि0 / 191–ख / 2001 दिनांक 07.12.2011	12.09.2011 से 11.09.2031	1.575 है0	सोपस्टोन
19.	श्री ठाकुर सिंह उरोला नि0 ग्राम बासीखेत, पो0 देवराड़ी पन्त तहसील गंगोलीहाट जिला पिथौरागढ़	ग्राम दाणु, तहसील गंगोलीहाट जिला पिथौरागढ़	शा सं0–763 / VII-I-II / 19–ख / 2009 दिनांक 12.08. 2011	30.12.2011 से 29.12.2031	4.321 है0	सोपस्टोन

21.	श्रीमती देवकी पाण्डे पत्नी स्व0 श्री पीताम्बर पाण्डे निवासी ग्राम हुडेती पो0 डिग्री कालेज पिथौरागढ़	ग्राम ... धारचूला जनपद पिथौरागढ़				नाप भूमि	
22.	श्री हरेन्द्र सिंह मेहरा पुत्र श्री नारायण सिंह मेहरा निवासी ग्राम व पो0 जाड़ापानी तहसील गंगोलीहाट पिथौरागढ़	ग्राम मनगड़, हाट भण्डार, पीपली, रावलगांव तहसील बेरीनाग जनपद पिथौरागढ़	—		21.08.2015 से 20.08.2035	1[illegible]50 है0	सोपस्टोन
23	श्री गणेश चन्द्र भट्ट पुत्र श्री लक्ष्मी दत्त भट्ट नि0महादेव भट्ट कालोनी, नवाबी रोड, हल्द्वानी	ग्राम वटगेरी,पट्टी बनकोट तहसील गंगोलीहाट जिला पिथौरागढ़	—		08.08.2016 से 07.08.2016	.487 है0	सोपस्टोन
24	श्री महिपाल सिंह डांगी पुत्र स्व0 दरवान सिंह डांगी निवासी पुरानाथल, तहसील बेरीनाग, जिला पिथौरागढ़	ग्राम बलडाआगर(राईआगर), तहसील बेरीनाग, जिला पिथौरागढ़	—		06.05.2016 से 05.05.2036	1.220 है0 भूमि (0.217 है0 राज्य सरकार / सार्वजनिक उपयोग की भूमि सम्मिलित)	सोपस्टोन

भवदीय

(हस्ताक्षर)